GK पुस्तकालय ज्ञान का अभिलेख

मज़ाक या गंभीर बात, पो का नियम (Poe's Law)

लेख का पता

https://www.gklibrarykor.com/hi/article/8682/

PDF लेआउट का नमूना - केवल अंश

इंटरनेट पर किसी ने लिखा, “पृथ्वी असल में सपाट है, और हवाई जहाज़ की खिड़की से बाहर का दृश्य गोल इसलिए दिखता है क्योंकि खिड़की घुमावदार है।” क्या उसने सचमुच इस बात पर विश्वास करके यह लिखा था, या ऐसे दावों का मज़ाक उड़ाने के लिए? अक्सर केवल लिखी हुई बात देखकर इसका पता लगाना बिल्कुल संभव नहीं होता, और वास्तव में बहुत से लोग मज़ाक पर गुस्सा हो जाते हैं या गंभीर बात को मज़ाक समझकर टाल देते हैं। इस तरह, लेखक का इरादा बताने वाला कोई स्पष्ट संकेत न हो तो अतिवादी विचारों की नकल करने वाले व्यंग्य को कोई न कोई ज़रूर गंभीर बात समझ लेता है। इंटरनेट के अनुभव पर आधारित इस नियम को ‘पो का नियम (Poe's Law)’ कहते